

ABM COLLEGE, JAMSHEDPUR
SUBJECT : HINDI (COMPULSORY)
INTERMEDIATE (XI) INTERNAL EXAM, 2020

Full Marks : 50

Time : 1½ hrs.

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा प्रश्न संख्या 1 से 5 के उत्तर दीजिए।

शिक्षा सिर्फ इककीस साल की उम्र तक नहीं चलती, बल्कि यह तो जीवनपर्यन्त जारी रहती है। जीवन किसी नदी सा होता है, जो कभी स्थिर नहीं होता सदैव गतिशील रहता है, सदैव जीवन्त और समृद्ध होता है। नदी तो प्रवाह में रहती है। नदी की सारी गतिविधियों को उन सारी चीजों को जो उस पर हो रही है, ध्यानपूर्वक देखना, समझना, उनसे सीधे संपर्क में होना, यही जीवन है और इसके लिए हम सभी को तैयार होना है।

वास्तव में शिक्षा का मतलब कुछ परीक्षाएँ पास कर लेना भर नहीं, बल्कि इन समस्याओं पर विचार करने लायक होना भी है, ताकि आपका मन यान्त्रिक और परम्पराबद्ध न हो जाए, ताकि आपका मन सृजनशील हो ताकि आप समाज के अनूकुल होने में ही न लगे रहे, बल्कि उसे तोड़कर पूर्णतः नए का सृजन करें।

1) प्रस्तुत गद्यांश का उचित शीर्षक दीजिए –

- a) शिक्षा का उद्देश्य
- b) देशप्रेम
- c) नदी और पहाड़
- d) परीक्षा

2) शिक्षा कब तक जारी रहती है ?

- a) इककीस साल
- b) जीवन पर्यन्त
- c) सोलह साल
- d) बचपन तक

3) जीवन की तुलना किससे की गई है ?

- a) नदी
- b) तालाब
- c) समुद्र
- d) झील

4) शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य है ?

- a) परम्पराओं को जानना
- b) यान्त्रिक हो जाना
- c) परीक्षाएँ पास कर लेना
- d) सृजनशील बनाना

5) 'जीवन्त' शब्द का क्या अर्थ होता है ?

- a) परम्पराओं को जानना
- b) यान्त्रिक हो जाना
- c) परीक्षाएँ पास कर लेना
- d) सृजनशील बनाना

निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा प्रश्न संख्या 6 से 10 का उत्तर दीजिए –

भटक गया है देश दलों के बीहड़ वन में
 कदम—कदम पर संशय ही उगता है मन में
 नेता क्या है निज—निज गुर के महापात्र हैं
 राष्ट्र कहाँ है शेष, शेष बस राज्य मात्र है।

6) देश किसके बीहड़ वन में भटक गया है ?

- a) सामाजिक दल
- b) राजनीतिक दल
- c) धार्मिक दल
- d) साहित्यिक दल

7) मन में हमेशा संशय क्यों उत्पन्न होता है ?

- a) भविष्य की चिंता के कारण
- b) अतीत की चिंता के कारण
- c) रोजगार की चिंता के कारण
- d) शिक्षा की चिंता के कारण

8) यहाँ 'राष्ट्र' का क्या आशय है ?

- a) विभाजित देश
- b) सम्पन्न देश
- c) एकजुट देश
- d) उन्नत देश

निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर प्रश्न संख्या 24 से 28 के उत्तर दीजिए –

प्रतिक्षण नूतन वेश बनाकर रंग—बिरंग निराला,
रवि के सम्मुख थिरक रही है नभ में वारिद—माला।
नीचे नील समुद्र मनोहर ऊपर नील गगन है,
घन पर बैठ, बीच में बिचरू चाहता ये मन है।

- 24) प्रस्तुत पंक्तियों के कवि कौन है ?
 a) रामनरेश त्रिपाठी b) सूर्यकांत त्रिपाठी निराला
 c) भवानीप्रसाद मिश्र d) सुमित्रानंदन पंत

25) प्रतिक्षण नूतन वेश कौन बदल रहा है ?
 a) नील समुद्र b) नील गगन
 c) वारिद माला d) रवि

26) प्रस्तुत पंक्तियाँ किस कविता से उद्धृत है ?
 a) पथिक b) आँखे c) घर की याद d) सबसे खतरनाक

27) कवि का मन कहाँ विचरना चाहता है ?
 a) नीले आकाश और नीले समुद्र के बीच b) बादलों के बीच
 c) आकाश में d) समुद्र में

28) रवि का पर्यायवाची शब्द क्या नहीं है ?
 a) दिनकर b) सूरज c) सूर्य d) रत्नाकर

29) 'नमक का दरोगा' किस विधा की रचना है ?
 a) कहानी b) व्यंग्य—कथा c) संस्मरण d) निबंध

30) 'मियाँ नसीरुद्दीन' किस संग्रह से लिया गया है ?
 a) हम—हशमत b) शब्दों के आलोक में c) समय—सरगम d) मित्रों मरजानी

31) 'आतम मारि पखनहि पूजै' कवीर की इस पंक्ति में 'पखनहि' का क्या अर्थ है ?
 a) भगवान b) पत्थर की मूर्ति c) माया d) मजार

32) अकक महादेवी की कविता को हिन्दी में कहा गया है ?
 a) वचन b) साखी c) वाणी d) सबद

33) 'विदाई—संभाषण' के रचयिता कौन है ?
 a) प्रेमचंद b) बालमुकुंद गुप्त c) सत्यजीत रॉय d) कृष्णचन्द्र

34) धनराम किस कहानी का पात्र है ?
 a) रजनी b) नमक का दरोगा c) गलता लोहा d) जामुन का पेड़

35) 'वे आँखे' कविता में किसकी पीड़ा और शोषण को रेखांकित किया जाता है ?
 a) मजदूर की b) किसान की c) फेरीवाले की d) इन सभी की

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर प्रश्न संख्या 37 से 39 के उत्तर दीजिए – भारत माता दरअसल यही करोड़ों लोग है और 'भारत माता की जय' से मतलब हुआ इन लोगों की जय का। मैं उनसे कहता कि तुम इस भारत माता के अंश हो, एक तरह से तुम ही भारतमाता हो और जैसे-जैसे ये विचार उनके मन में बैठती, उनकी आँखों में चमक आ जाती, इस तरह मानों उन्होंने कोई बड़ी खोज कर ली हो।

- 36) प्रस्तुत गद्यांश किस पाठ से लिया गया है ?
a) विदाई-संभाषण b) गलता लोहा c) भारत माता d) आत्मा का ताप

37) भारत माता की जय का क्या अर्थ है ?
a) देश के युवाओं की जय b) देश के करोड़ों लोगों की जय
c) देश के राजनेता की जय d) अपनी माँ की जय

